मनाऊं थाने श्याम धणी | by Nandini Tyagi

कैया रूस्या हो थे मासु घनश्याम , मनाऊं थाने श्याम धणी
था बिन लाग नाही,मनड़ो म्हारो श्याम
मनाऊं थाने श्याम धणी

जद सु आयी चौकठ थारी , दर्शन पायी श्याम
काज हुया सगळा गरीब का , हो गया सारा काम
बांह पकड़ले म्हारी आके म्हारा श्याम
मनाऊं थाने श्याम धणी

मत ना होवो श्यामधणी थे,अपणा स नाराज
थासु चाल म्हारो जीवन ,थासु म्हारी लाज
थान याद करू में, नित सुबहों और शाम
मनाऊं थाने श्याम धणी

थे छो म्हारा श्यामधणी, कलयुग का लखदातार
ई कलयुग में थारी चर्चा कोई ना पायो पार
"अविनाश" थान नित-उठ कर प्रणाम
मनाऊं थाने श्याम धणी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%8a%e0%a4%82-%e0%a4%a5%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%a7%e0%a4%a3%e0%a5%80-by-nandini-tyagi/